पाठ – संसार पुस्तक है

प्रश्न 1 आपको अपने गाँव/शहर के विषय में कुछ जानकारियाँ एकत्रित करनी हैं। इस कार्य के लिए आपको किन स्त्रोतों से सूचना मिल सकती हैं जिनका आप जानकारी एकत्रित करने में प्रयोग करेंगे, उनकी एक सूचीं तैयार करें।

उत्तर

प्रश्न 2 जब यह सभी साधन नहीं थे तब मनुष्य कैसे जानकारी प्राप्त करते थे? चर्चा करें।

उत्तर

प्रश्न 3 जरा सोचे और बताएँ कि संसार .... है। इस काव्यांश को पूरा करें और साथ में कारण भी बतायें कि आप ऐसा क्यों सोचते हैं?

उत्तर

अब हम सभी मिलकर 'संसार पुस्तक है' पाठ पढ़ते हैं।

प्रश्न 4 आपने इस पाठ में कई रोचक तथ्यों को पढ़ा व कई जानकारियों को जाना, इसी प्रकार अन्य रोचक तथ्यों को जानने के लिए अपनी पुस्तक के पाठ ''अनूठी पुस्तक'' को भी पढ़ें और उससे प्राप्त जानकारियों को नीचे लिखें।

उत्तर

प्रश्न 5 पाठ ''संसार पुस्तक है'' में संसार रूपी पुस्तक को पढ़ने पर ज़ोर दिया गया है, इसलिए आप भी संसार रूपी पुस्तक पढ़ने के लिए अपने घर या आसपास मौजूद किसी पार्क में पौधों, वृक्षों का अवलोकन निम्न आधार पर कीजिए और कक्षा में चर्चा कीजिए :–

(अ) पेड़ पौधों के प्रकार

(ब) पेड़ पौधों के बीच समानताएं

(स) पेड़ पौधों में भिन्नता

प्रश्न 6 संसार रूपी पुस्तक को पढ़ने का क्या अर्थ है? लिखिए।

उत्तर

प्रश्न 7 ''हम केवल दूसरों की लिखी हुई किताबों को ना पढ़कर खुद संसार रूपी पुस्तक को पढ़ें'' इस कथन की व्याख्या करें।

उत्तर

प्रश्न 8 एक छोटा सा रोड़ा संसार की पुस्तक का पृष्ठ है तो क्या–क्या संसार रूपी पुस्तक का पृष्ठ हो सकता है? इसी प्रकार ''चार पहिए की गाड़ी'' की कहानी लिखें जिसमें अपने अनुभव, चित्र इंटरनेट का प्रयोग करें।

उत्तर

प्रश्न 9 आपके पुस्तकालय में सूचना देने वाली बहुत–सी पुस्तकें है। उनमें से कोई 5 अनोखी व महत्वपूर्ण जानकारी छाँट कर लिखें।

उत्तर

प्रश्न 10 पाठ में जिस प्रकार रोड़े के लिए गोल, चिकना, चमकीला आदि विशेषण शब्दों का प्रयोग किया गया है उसी प्रकार आप निम्नलिखित शब्दों के लिए दो–दो विशेषण का प्रयोग करें।

उत्तर पहाड़ ______________________

____

नदी ______________________

____

तारें ______________________

____

हवा ______________________

____

आग ______________________

प्रश्न 11 पाठ में आये निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए :

(अ) गौर –

(ब) विद्वान –

(स) दरिया –

(ड) कंकड़ –

4. संसार पुस्तक है

उद्देश्य	आरंभ	मध्य	अन्त
1. मूल भाव	ज्ञान प्राप्त करने के विविध माध्यमो का वर्णन किया है।	ज्ञान प्राप्त करने की विविध माध्यमों व विषय व महत्व की व्याख्या की है।	ज्ञान प्राप्त करने के विविध स्त्रोत के विषय व महत्व की साक्ष्य/ उदाहरण सहित व्याख्या की है। व अपने जींवन से जुड़े उदाहरण भी प्रस्तुत किये है।
2. व्याख्या	'संसार पुस्तक है' की व्याख्या मात्र की है, कुछ अव्यवस्थित उदाहरण प्रस्तुत किए है।	'संसार पुस्तक है' की व्याख्या की है तथा इसे कैसे पढ़ते है इसका वर्णन किया है तथा कुछ सतही उदाहरण प्रस्तुत किये है।	'संसार पुस्तक है' की व्याख्या की गई है तथा यह भी बताया है कि जानकारी प्राप्त करने के कौशल कौन–से होते हैं।
3. चरित्र–चित्रण	पाठ में आए पात्रों के बाह्य गुणों का वर्णन मात्र किया है।	पाठ में आए पात्रो के बाह्य व आतंरिक गुणी का पाठ से साक्ष्य लेकर वर्णन किया है।	पाठ में आए पात्रों के बाह्य व आतंरिक गुणों का पाठ से साक्ष्य लेकर कारण सहित चरित्र की व्याख्या की है।